## लेना खान

# फ़िल्म के जरिये उठाए सामाजिक मुद्दे

सेरेना किम

लॉस एंजेलेस, कैलिफ़ोर्निया की एक तपती दोपहरी। लेना खान 'द एविएटर' और 'द डिपार्टेड' जैसी हॉलीवुड फ़िल्मों के लिए साज-सामान की आपूर्ति करने वाली कम्पनी हैंडप्रॉप रूम की अलमारियों को टोहती-टटोलती घूम रही हैं। आखिर वह शरारती अंदाज़ में एक निन्जा तलवार निकालती हैं, ''यह ठीक रहेगी।''

वह फ़िल्मकार तो बिल्कुल नहीं लगतीं, मेरा मतलब है वह वैसी नहीं दिखतीं जैसी दिखने की अपेक्षा औसत लोग फ़िल्मकारों से करते हैं- वह युवा हैं, स्त्री हैं, आस्थावान मुस्लिम और भारतीय अमेरिकी हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलम्बिया, लॉस एंजेलेस के स्कूल ऑफ़ थियेटर,फिल्म एंड टेलिविज़न की यह 24 वर्षीया स्नातक म्यूज़िक विडियो और लघु फ़िल्मों के अलावा विज्ञापन फ़िल्मों का भी लेखन/ निर्देशन करती हैं।

लेना खान के पिता लखनऊ, उत्तर प्रदेश के हैं और मां, मध्य प्रदेश की। वह लोग 30 बरस पहले कनाडा चले गए थे और फिर 23 बरस पहले अमेरिका चले आए।

उन्हें अपनी फिल्म ''बासेम इज़ ट्राइंग'' के लिए पांच हज़ार डॉलर का पुरस्कार मिला है। एक मिनट की इस लघु फिल्म में दिखाया गया है कि समाज की बहती धारा का हिस्सा बनने के प्रयास में एक मुस्लिम अमेरिकी कैसे अपनी कार के रेडियो पर तेज़ आवाज़ में हिप-हॉप संगीत बजाता है। उनकी 3 मिनट की लघु फ़िल्म ''ए लैंड कॉल्ड पैराडाइज़'' को 2007 में वन नेशन नाम के उस अमेरिकी समूह का 20 हज़ार डॉलर का सर्वोच्च पुरस्कार मिला जो अमेरिका में मुसलमानों के बारे में गलतफहमियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है। कंट्री म्यूज़िक के एक मुसलमान गायक करीम सलामा के इसी नाम के गीत के साथ चलती यह फ़िल्म मुस्लिम अमेरिकियों के अपने बारे में बयानों का एक कोलाज है। विभिन्न पृष्ठभूमियों के दर्ज़नों लोग हाथ से लिखे पट्टे लिए खड़े हैं। बयान कुछ हल्के-फुल्के से ''मैं भी विक्टोरियाज़ सीक्रेट (स्त्रियों के अंतर्वस्त्रों का प्रमुख ब्रांड) से खरीददारी करती हूं'' से लेकर ''मेरी बहन 11 सितम्बर को मारी गई'' तक जैसे गम्भीर हैं।

फ़िल्म को पुरस्कार देने वाले निर्णायकों में से एक, पेशेवर बास्केटबाल खिलाड़ी करीम अब्दुल-जब्बार ने ''ए लैंड कॉल्ड पैराडाइज़'' को उसकी ''सुन्दर सिनेमाई भाषा'' के लिए ज़्यादा अंक दिए जबकि पत्रकार मेरिएन पर्ल ने ''ताज़गी और हास्यबोध के साथ मुस्लिम समुदाय की और हम सभी की महत्वपूर्ण भावनाएं व्यक्त करने के लिए'' फ़िल्म की प्रशंसा की।

लेना खान याद करती हैं कि ''ए लैंड कॉल्ड पैराडाइज़'' की तैयारी में बहुत मेहनत लगी थी। केंद्रीय वस्तु एक प्रश्न के इर्दगिर्द घूमती है: ''अगर आप संसार के हर गैर-मुस्लिम से कुछ कह सकते तो क्या कहते?''

वह बताती हैं, ''मैंने ई-मेल भेजे, मैं मस्जिदों में गई, मैंने मुस्लिम समुदाय की तमाम सूचियां खंगाल मारीं.... ।'' उन्हें जो पहला उत्तर मिला वह था, ''इस्लाम मुझे आत्महंता विचारों से बचाए रखता है।''

वह याद करती हैं, ''मुझे लगा कि में यही वीडियो बनाऊंगी। मैं मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि स्वर सामने लाना चाहती थी लेकिन मुझे नहीं लगता कि में सभी का प्रतिनिधित्व कर सकती हूं। खैर इस पहले उत्तर ने दिशा तय कर दी... मुझे 2500 उत्तर मिले, मैंने उनमें से बहुत थोड़े से उत्तर चुने और वीडियो तैयार किया ... ।''

''ए लैंड कॉल्ड पैराडाइज़'' वीडियो के प्रदर्शन के बाद से उन्हें हज़ारों लोगों ने ई-मेल भेजकर बताया कि इसने उन्हें अपने परिवार के साथ इस्लाम पर चर्चा को प्रेरित किया था। इसने रूढ़ छवियों के कारण बनी दीवारें तोड़ी हैं।

लेना की सिनेमा में रुचि सामाजिक आन्दोलन के एक रूप में बनी जिसे वह अपनी आस्था के एक आधार स्तम्भ के रूप में देखती हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलम्बिया, लॉस एंजेलेस में राजनीति शास्त्र और इतिहास में स्नातक अध्ययन के दौरान उन्होंने गौर किया कि रवांडा या डारफर जैसे नरसंहारों की ओर छात्रों का ध्यान तभी आकर्षित होता था जब उस विषय पर फ़िल्म बनती या कोई अभिनेता उस में रुचि लेता। वह ''द सीज'' और ''ब्लैक हॉक डाउन'' जैसी हॉलीवुड फ़िल्मों से भी तंग आ चुकी थीं जिन में अज्ञान और वज़ू के बिम्बों को आतंकवाद से जोड़ा गया था।

एलेना याद करती हैं, ''ये चीजें मुझे खाए जा रही थीं। इसलिए मुझे लगा कि इनके बारे में शिकायत करने की जगह में खुद ही कुछ करूं। मैं सामाजिक मुद्दों के बारे में फ़िल्में बनाना चाहती थी क्योंकि तभी लोग गौर से बात सुनते हैं।'' इसी इरादे से उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलम्बिया, लॉस एंजेलेस से फ़िल्म अध्ययन में स्नातकोत्तर की उपाधि ली।

साभार: लेना खान

हैंड प्रॉप रूम में एलेना निन्जा सितारों के एक डिब्बे को टटोलती हैं। अपनी पसंद की चीजें चुनने के बाद वह वेस्टर्न कॉस्ट्यूम कम्पनी के लिए निकल पड़ती हैं- उन्हें कुछ निन्जा मुखौटे और पोशाकें भी लेनी हैं।

निन्जा विज्ञापनों के अलावा उनकी अगली परियोजनाओं में राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक विज्ञापन और सलामा के लिए एक म्यूज़िक वीडियो शामिल हैं।

*सेरेना किम America.gov की विशेष संवाददाता हैं।*

**ज़्यादा जानकारी के लिए:**

ए लैंड काल्ड पैरेडाइज़

http://www.youtube.com/watch?v=sbcmPe0z3Sc